तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 17 अगस्त 2025

11 जिले में उत्साह व उमंग के साथ मनाया जन्माष्टमी का पर्व

12 स्वतंत्रता दिवस समारोह में नजर आया राष्ट्रीय एकजुटता का समावेश

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

कोसली। टूमना गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर पुलिस ने 10 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने टूमना निवासी सुरेश, सतीश, सविता, सावित्री व महेंद्रगढ़ के नांगल कालिया निवासी सुमन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन्हें पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कोर्ट से घोषित पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

बावल। पुलिस ने जून माह में दर्ज किए गए केस के आरोपी पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने एक मामले में झज्जर के सासरोली निवासी नरेश उर्फ नरसी को पीओ घोषित कर दिया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 3 जून को केस दर्ज किया था। आरोपी नरेश को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दिया। वहां से कोर्ट ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया।

दो बाइकों के बीच भिड़ंत में एक घायल

बावल। आईएमटी के निकट दो बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में एक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। चिराहड़ा निवासी राजेंद्र ने पुलिस बयान में बताया कि वह किसी काम से बाइक लेकर रेवाड़ी गया था। वापस लौटते समय एक कंपनी के पास बुलेट बाइक सवार युवक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी के दो आरोपी गिरफ्तार

डहीना। पुलिस चौकी ने गांव जैनाबाद में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर आरोपियों के खिलाफ 5 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जैनाबाद निवासी शिवम और मोहित को गिरफ्तार कर लिया। शिवम के खिलाफ पहले भी एक केस दर्ज है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कार की टक्कर से एक व्यक्ति घायल

धारूहेड़ा। शहर की एक सोसायटी के पास सड़क पार कर रहे व्यक्ति को कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तराखंड के तड़म गांव निवासी उत्तम सिंह अपने बेटे दिगपाल से मिलने के लिए आया था। उसका बेटा उसे कापड़ीवास से बाइक पर लाया था। सोसायटी के गेट पर बाइक से उतरने के बाद रोड पार करते समय उत्तम को कार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज कर लिया।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नांगल मूंदी। बुड़ौली गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ित के बयान पर पुलिस ने 13 अगस्त को बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने संदीप और नवीन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

बच्चों की मनमोहक झाकियों ने किया मंत्रमुग्ध, लाइटों से जगमग मंदिरों में रही श्रृद्धालुओं की भीड़

जन्माष्टमी पर मंदिरों में गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की' का जयकारा, युवाओं ने फोड़ी दही-हांडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। शहर के मॉडल टाउन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, मोती चौक घंटेश्वर महोदव मंदिर, बारा हजारी दुर्गा मंदिर, बारा पत्थर भूतेश्वर महादेव मंदिर, सेक्टर-1 सोलहराही भूतेश्वर मंदिर, सेक्टर-3 राधा-कृष्ण मंदिर, कटला बाजार माता मंदिर, नई बस्ती मंसा माता मंदिर, गोकल बाजार स्थित हरिकीर्तन मंदिर, वैधवाड़ा स्थित शिव मंदिर, नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर व मॉडल टाउन स्थित इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्जना के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में भी भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। मंदिरों में सजी बच्चों की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को पालने में झुलाकर अपनी श्रद्धा दिखाई। मंदिरों में मध्यरात्रि दही-हांडी फोड़ने का भी कार्यक्रम किया गया। रात के समय शहर के सभी मंदिर नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गुंजायमान रहे। भगवान श्रीकृष्ण की आरती करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पुलिस प्रशासन की ओर से शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए।

रेवाड़ी। जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण बने बच्चे, जन्माष्टमी पर लाइटों से जगमग मॉडल टाउन राधा-कृष्ण मंदिर, अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में सजी राधा-कृष्ण की प्रतिमा।

मॉडल टाउन मंदिर में रही जन्माष्टमी पर्व की धूम

मॉडल टाउन स्थित श्री सनातन धर्म राधा-कृष्ण मंदिर ट्रस्ट की ओर से जन्माष्टमी महोत्सव उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। मंदिर समिति की ओर से मंदिर परिसर को दिल्ली के भव्य आयोजनों की तर्ज पर रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। दिल्ली से प्रसिद्ध बंटी-सोनिया तिलकधारी ग्रुप ने धार्मिक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियां सजाई गई तथा हनुमान जी के विशाल स्वरूप ने भी दर्शकों को आकर्षित किया। 15 अगस्त को मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, वही शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य झांकियां निकाली गई। रात्रि के समय मंदिर में भजन-कीर्तन किया गया और मध्यरात्रि भगवान श्रीकृष्ण जन्म के साथ ही छप्पन भोग का प्रसाद वितरण किया गया। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर में पुलिस बल भी तैनात रहा।

जन्माष्टमी पर कवि सम्मेलन में जमाया रंग

कोसली की सामाजिक संस्था प्रेरणा की ओर से जन्माष्टमी पर बालधन खुर्द के बाबा धूना वाले आश्रम में कवि सम्मेलन एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवि दलवीर फूल ने कहूं गाथा कृष्ण कन्हाई की, सुनो सभी नर नारी रचना सुनाई। कवि देवीराम शर्मा ने जंगल में मंगल रच डाला बाबा धूनी वाले, बड़े-बड़े घर उजड़ गए नशा नाश की जड़ सै रचना प्रस्तुत की। डा. त्रिलोक चंद फतेहपुरी अटेली ने जन्माष्टमी को हुआ कृष्ण का जन्म, आया था जगत में वो मिटाने सितम, संदीप बाबरा ने शनि देव हनुमत से बोल तेरे सिर पर अली साढ़ सती, महेंद्र सिंह बिलोटिया ने बच्चा ही मत समझो हम वीरों की संतान है, भाग्य और भविष्य देखो भारत मां की शान है तथा डा. महावीर सिंह निर्दोष ने गांव गेल मने मिली भतेरी न कोई मिला भतेरा, दुख देखकर बेटी का यह दिल दुखे सै मेरा रचना सुनाकर दर्शकों की तालियां बटौरी। बल्लभगढ़ से आई भजन मंडली से पदमराज ने कृष्ण भक्ति के गीत तथा गांव गुर्जरवास से महिलाओं ने कृष्ण जन्मोत्सव पर गुजरी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेरणा संस्था के प्रधान गुरदयाल सिंह एडवोकेट ने की। डा. नरेंद्र यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डा. सतबीर इंदौरा, जितेंद्र, प्रो. सुनील, विशंभर, अनूप, संदीप, रमेश, मुकेश, सुखवीर, भतेरी, पूनम, राजवंती, धर्मवती, रेनू, कमला, धर्मवीर, राजपाल, प्रदीप, अभिषेक, भरत, अनुज व कार्तिक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

बच्चों ने जन्माष्टमी पर दही-हांडी महोत्सव का किया आयोजन

■ झूला सजाकर राधा-कृष्ण बने बच्चों को झुलाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लाखनौर स्थित विवेकानन्द पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्राइमरी विंग के नन्हे मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण की सुंदर वेशभूषा पहनकर मनमोहक नृत्य व झांकियां प्रस्तुत की। विद्यालय प्रांगण में दही-हांडी महोत्सव का आयोजन किया गया, वहीं प्रांगण में झूला सजाकर राधा-कृष्ण बने बच्चों को झुलाया गया। बच्चों ने श्री कृष्ण लीला की झांकियों मंचन किया। विद्यालय के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की जानकारी देते हुए भगवान श्री कृष्ण के जन्म से जुड़े तथ्यों से अवगत कराया व उनकी ओर से दिए गए गीता के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

रेवाड़ी। स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व मनाते शिक्षक व बच्चे। फोटो :हरिभूमि

मनोज हत्याकांड में दो और आरोपियों को किया काबू

■ पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

सीआईए धारूहेड़ा ने मनोज हत्याकांड में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला गुरुग्राम के गांव तेलपुरी निवासी हेमेंद्र उर्फ हेमू व गांव जौनियावास निवासी दीपक के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस को गत 29 जुलाई को पुलिस को गांव मालपुरा से मऊ रोड पर एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक युवक की पहचान दिल्ली के मोहन गार्डन उत्तम नगर निवासी 33 वर्षीय मनोज के रूप में हुई थी। दिल्ली के मोहन गार्डन, उत्तम नगर निवासी निवासी भरत ने बताया था कि 27 जुलाई को उसका बड़ा भाई मनोज अपने दोस्त साहुन खान के साथ अपने ननीहाल गांव पाटखोरी से अपने कुछ परिचितों से मिलने की बात कहकर घर से गया था। इसी दौरान उसे सूचना मिली की मनोज की लाश गांव मालपुरा से मऊ रोड पर मिली है। मृतक के भाई ने कुछ लोगो पर मनोज की हत्या का संदेह जाहिर किया था। पुलिस ने मृतक के भाई भरत के बयान पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी गांव जौनियावास निवासी विवेक उर्फ विक्की को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस द्वारा पूछताछ आरोपी विवेक ने बताया था की घटना के दिन शराब के नशे में उसके साथी दीपक व मृतक मनोज की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उसके साथी दीपक ने उसे फोन करके मौके पर बुलाया था। जब वह मौके पर पहुंचा तो दीपक व उनके 4-5 अन्य साथी मौके पर पहले से मौजूद थे। इसके बाद सभी ने मिलकर शराब के नशे में मनोज की तलाश करके,उसके साथ मारपीट की थी। मारपीट के दौरान मनोज गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वह सभी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त दो और आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में हत्या के आरोपी।

रेवाड़ी। स्कूल में विद्यार्थियों का सम्मान करते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

एमबीबीएस में चयनित छात्रों का टेबलेट देकर किया सम्मान

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरित नृत्य-नाटिका, मधुर भजनों और उत्साहजनक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर विद्यालय ने नीट परीक्षा में उपलब्धि हासिनल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने आदर्श, अर्पिता, दिव्यांश, अभिमन्यु, सत्या, गरिमा व तनीषा को टेबलेट एवं स्मृति-चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी, निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी, जयश्री सैनी, अन्नू सैनी तथा प्राचार्य कुलदीप कुमार मौजूद थे।

मकान से नकदी व जेवरात चोरी करने के मामले तीन आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए कोसली ने गांव बलवाड़ी के एक मकान से नकदी व जेवरात चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला कोटपुतली बहरोड़ के गांव महताश निवासी केशव, गांव बलवाड़ी निवासी सोमपाल उर्फ सोम व अमन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों कोअदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। गांव बलवाड़ी निवासी पूरण सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसके भाई गिरधारी की पत्नी व पुत्रवधु रक्षाबंधन पर अपने मकान को ताला लगाकर अपने मायके गई हुई थी। पीछे से गत 10-11 अगस्त की रात्रि को कोई व्यक्ति उनके मकान का ताला तोड़कर मकान से 4450 रुपये की नकदी व जेवरात चोरी करके ले गए। सीआईए कोसली पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त तीन आरोपी राजस्थान के जिला कोटपुतली बहरोड़ के गांव महताश निवासी केशव, गांव बलवाड़ी निवासी सोमपाल उर्फ सोम व अमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

पर्वतारोही नरेंद्र यादव ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस को तीसरी बार किया फतेह

कोसली। नेहरूगढ निवासी युवा पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव ने 15अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस को तीसरी बार फतेह किया है। इससे पहले वे 2017 और 2023 में भी इस शिखर पर पहुंच चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ वे माउंट एल्ब्रस पर सबसे अधिक बार चढ़ाई करने वाले पहले भारतीय बन गए है। नरेन्द्र ने बताया के नेतृत्व में एनएसवाई आउटडोर्स के इस अन्तरराष्ट्रीय आयोजन में विभिन्न देशों के पर्वतारोहियों ने भाग लिया। अभियान की शुरूआत 9 अगस्त को हुई और छह दिन के कठिन प्रशिक्षण एवं ऐक्लिमेटाइजेशन के बाद 15 अगस्त की रात 1 बजे बेस कैंप से अंतिम चढ़ाई प्रारंभ हुई। उन्होंने सुबह 9:15 बजे माउंट एल्ब्रस के शिखर पर पहुचकर तिरंगा लहराया। उनकी उपलब्धि पर किर्गिज गणराज्य के पर्वतारोहण और खेल चढ़ाई संघ ने प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया।

माउंट एल्ब्रस पर तिरंगा फहराते पर्वतारोही नरेन्द्र यादव।

लार्वा मिलने पर1572 को थमाएं नोटिस, गत वर्ष जिले में 406 डेंगू व 9 मलेरिया के केस आए थे

दो मरीज और मिलने से 53 पर पहुंच गया डेंगू का आंकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बरसात के मौसम में मलेरिया व डेंगू मच्छरों के पनपने से बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। इन दिनों में निजी व सरकारी अस्पतालों में खासी, जुकाम व बुखार के मरीजों की ओपीडी में भी काफी इजाफा हो रहा है। जिले में पिछले दो सप्ताह से डेंगू के केस भी लगातार आ रहे है। शनिवार को दो डेंगू पॉजिटिव मरीज ओर मिलने से सीजन में आंकड़ा 53 पर पहुंच गया है। इसके अलावा अब तक मलेरिया के भी 11 केस मिल चुके है। डेंगू पॉजिटिव केसों के आने से ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की भी डिमांड बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रतिदिन डेंगू व मलेरियां संभावित लोगों की स्लाइड तैयार की जा रही है। इसके साथ ही ब्रीडिंग चेकर घरों में कूलर, पानी की टंकी, फ्रीज -ट्रे व पशुओं की खेल में भरे हुए पानी में लार्वा की जांच कर रहे है। जांच के दौरान मच्छर का लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग की टीम अभी तक लार्वा मिलने पर 1572 लोगों को नोटिस थमा चुकी है। गत वर्ष जिले में 406 डेंगू व 9 मलेरिया के केस आए थे। मलेरिया हेल्थ इंस्पेक्टर बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि डेंगू केस वाले इलाकों में फोगिंग की जा रही है। इसके अलावा अब तक 1499254 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है। अब तक डेंगू संभावित बुखार पीड़ित 1709 लोगों के सेंपल भी लिए जा चुके है। अभी तक शहर में 11, सीएचसी गुरावड़ा में 5, सीएचसी मीरपुर में 5, सीएचसी बावल में 15 व सीएचसी खोल में 17 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। लार्वा की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव किया जा रहा हैं।

रेवाड़ी। डेंगू केस मिलने पर फोगिंग करते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। पानी के बर्तन में लार्वा की जांच करती स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

प्लेटलेट्स कम होने पर ज्यादा सावधानी बरतेः सीएमओ

मौसमी बीमारियां होने पर मरीज अपने आप कोई भी टेबलेट न लेकर डॉक्टर की सलाह पर ही ट्रीटमेंट शुरू करे। ज्यादा से ज्यादा साफ पानी पीएं व बासी खाना न खाएं। प्लेटलेट्स कम होने पर ज्यादा सावधानी बरते। यदि किसी व्यक्ति को पहले डेंगू हो चुका है तो उसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।
-डा. नरेन्द्र दहिया, सिविल सर्जन रेवाड़ी।

डेंगू-मलेरिया से बचाव

डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छा का लार्वा न पनप सके। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर ब्लड की जांच कराकर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले। ज्यादा से ज्यादा पेय पद्धार्थों का सेवन करें।

स्क्वाड्रन लीडर मनोज कुमार को वायु सेना मेडल के लिए नामित

कोसली। कोसली गांव निवासी एवं भारतीय वायु सेना में स्क्वाड्रन लीडर के पद पर तैनात मनोज कुमार को प्रतिष्ठित वायु सेना मेडल के लिए नामित किया गया है। यह सम्मान उन्हें ऑपरेशन सिंदूर और अन्य अहम सैन्य अभियानों में अद्वितीय साहस, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा के लिए दिया जाएगा। मनोज कुमार गरुड़ कमांडो रह चुके हैं और अब तक हर सैन्य कोर्स में ग्रेड एल्फा हासिल कर चुके हैं। जिला पार्षद जीवन हितेषी, कैप्टन हरि सिंह, जगपाल यादव, रवि, अमन सेठ, शक्ति, विशाल कोच, बग्गा राव, लखन,अमित यादव व ऋषि भारद्वाज ने मनोज कुमार को बधाई दी है।

स्क्वाड्रन लीडर मनोज कुमार।

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं बढ़िया मुनाफा | ■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा | ■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं

करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपकों कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।

फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें

एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

- **लक्ष्यों को पहचानें :** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजूकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?
- **लागत का अनुमान लगाएं :** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं. इसमें फ्यूचर की महंगाई को भी शामिल करें. उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।
- **क्यों जरूरी :** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं

- एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है? 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।
- **इक्विटी के अलावा निवेश करें :** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।
- **विविधता के विकल्प :** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं

- आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी? यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।
- **आपातकालीन निधि :** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।
- **पर्याप्त बीमा :** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

निवेश की राशि को बढ़ाएं

- आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं? जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ना चाहिए।
- **क्या करें :** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।
- **क्यों करें :** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।

योजना की समय पर समीक्षा करें

- क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है? आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है. इसमें कई मोड़ आते हैं।
- **क्या करें :** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।
- **क्यों जरूरी :** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।

एसआईपी सिर्फ एक मंजिल

- अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो। ■

पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मौज में कटेगा बुढ़ापा
- रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्की पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतरीन प्लानिंग करें। वाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार फ्यूचर बना सकते हैं।

पत्नी के टारगेट पर चर्चा करें

सबसे पहला और सबसे जरूरी कदम होता है कि एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करना चाहिए। यह प्लान करें कि रिटायरमेंट के बाद आप किस तरह की लाइफ को जीना चाहते हैं, जैसे कि क्या आप यात्रा करना चाहते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, या शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं? जब आप दोनों ये तय कर लेंगे तभी आप अच्छी बचत अपने आने वाले कल के लिए कर सकेंगे।

खर्चों का आकलन करें

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें घर का किराया या ईएमआई, खाने-पीने का खर्च, हेल्थ और मनोरंजन जैसे सभी खर्च शामिल करें। पार्टनर के साथ मिलकर एक ज्वाइंट बजट बनाएं जो आपकी फिलहाल की इनकम और खर्चों को पेश करता हो। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि आप कहां बचत कर सकते हैं और कहां अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बीमा स्कीम की समीक्षा करें

हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के चिकित्सा खर्चों को कवर करती हैं.आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

टाइम टू टाइम समीक्षा करें

आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है वो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे में अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि ये कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। ■

आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

मुसीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन मुसीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।

बजट बनाएं और लक्ष्य तय करें : आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपयह तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बचत करने में मदद कर सकता है।

छोटे कदम से शुरुआत करें : लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।

बचत को ऑटोमेट करें : आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे खर्च करने से बच जाएंगे।

कर्ज कम करने को प्राथमिकता दें : तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से पूरी तरह से फ्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।

अलग और सुरक्षित जगह पर रखें : अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इसको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

कारोबार आइडिया

- अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें
- भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूं के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

कहां से मिलेगा कच्चा माल

गेहूं की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूं के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूं खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूं को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूं की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूं खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सीधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूं खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूं की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूं को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।

शुरुआती लागत पर ध्यान

इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। वर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।

हर महीने कितना मुनाफा

मौजूदा आंकड़ों के मुताबीक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

क्यों है आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

आटा बेचने के लिए विकल्प

- **भारत आटा बिक्री केंद्र :** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहां इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
- **मदर डेयरी के सफल स्टोर :** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
- **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार :** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
- **स्थानीय बाजार :** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
- **आनलाइन प्लेटफ़ॉर्म :** आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

संसद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी

पुरानेइनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।

नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट

पहले ड्राफ्ट में कम्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए. संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता

नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरेस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता. संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।

गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल

गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमनाम या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था. नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमनाम दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया
- पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थी, लोगों को हो रही थी परेशानी
- निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बदले
- नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में भी सुधार किए

कमर्शियल प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार

पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्यूपाइड कमर्शियल प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेंट लगने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कमर्शियल प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

कर ढांचे में बदलाव

- नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।
- 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।

टीडीएस और टीसीएस में बदलाव

- टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।
- टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेमिटेंस स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।

अन्य बदलाव

- धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।
- यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।
- स्टार्टअप्स के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर किया धमाल, विद्यार्थियों का आह्वान वे अपने देश के प्रति जिम्मेदारियों को समझें

जिलेभर में उत्साह व उमंग के साथ मनाया जन्माष्टमी व आजादी का पर्व, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने किया मंत्रमुग्ध

रेवाड़ी। जन्माष्टमी पर्व पर श्रीकृष्ण की वेशभूषा में बच्चे। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह व जन्माष्टमी का पर्व उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में ध्वजारोहण करके तिरंगे का सलामी दी गई। सामाजिक संगठनों की ओर से भी आजादी का जश्न धूमधाम से मनाया गया। गांव करावरा मानकपुर स्थित दी हैरिटेज गैलेक्सी इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी महोत्सव व स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बच्चों ने आकर्षक रंग-बिरंगी पोशाकों में कृष्णा व राधा की भूमिका निभाकर सभी का मन मोह लिया। सिर पर मुकुट व हाथ में बांसुरी के साथ अनेक गीतों पर नौनिहालों ने नृत्य किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। स्कूल के डायरेक्टर कमल यादव तथा एडवोकेट निशांत यादव ने कहा कि आजादी का पर्व हमारे अंदर देशभक्ति की भावना को जागृत करता है।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में फहराया झंडा

दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। छात्र-छात्राओं ने पीटी-डंबल में एकता, सटीकता एवं अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य जॉय बैनर्जी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर सपूतों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने देश के प्रति जिम्मेदारियों को समझें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। बच्चों की देशभक्ति गीतों और नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

रेवाड़ी। पीटी-डंबल में भाग लेते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। सोमाणी कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

देशभक्ति गीतों के साथ मनाया राष्ट्रीय पर्व

सोमाणी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने अद्वितीय उल्लास, देशभक्ति और भव्यता के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। राष्ट्रध्वज फहराने के बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सुखानंद स्वामी, सावंत सिंह यादव, डा. विजय कुमार व राकेश दागर मौजूद थे। प्रोफेसर जगबीर ढिल्लों तथा महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, कविताएं, भाषण और नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि सुखानंद स्वामी ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि यह हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सशक्त बनाना है। डा. विजय कुमार ने विज्ञान और शिक्षा को देश की प्रगति का आधार बताते हुए युवाओं को नवाचार और अनुसंधान में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

माउंट हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल ने 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। राष्ट्रीय ध्वज पहराने के बाद छात्रों ने अपनी प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति प्रेम का प्रदर्शन करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव ने छात्रों की देशभक्ति की भावना और अनुशासन को देखकर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। पीएफ कमिश्नर मोहित यादव ने छात्रों में अनुशासन, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को स्थापित करने के लिए स्कूल की सराहना की। स्कूल अध्यक्ष प्रवीण गोयल ने शिक्षा और चरित्र निर्माण में नवाचार के प्रति स्कूल की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

महिला रीजनल सेंटर में स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति गीत और कविता पाठ प्रतियोगिता

कृष्ण नगर गांव स्थित महिला रीजनल सेंटर स्वतंत्रता दिवस पर भाषण, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली, देशभक्ति गीत और कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता के लिए हिमांशी ग्रुप और तमन्ना ग्रुप, भाषण में सोनिया, कविता में वर्षा, देशभक्ति गीत में उर्वशी, देशभक्ति गीत पर नृत्य प्रतियोगिता के लिए आरती, पायल, रुकशानश, वर्षा, तनिशा और पोस्टर व स्लोगन में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एकता व हिमांशी को सम्मानित किया गया। देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण व कविता पाठ में छात्राओं ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व और देश की आजादी के लिए शहीद हुए वीरों के बलिदान को याद किया।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का किया स्मरण

राज इंटरनेशनल स्कूल में 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने ध्वजारोहण करके की। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक नवीन सैनी, जितेन्द्र सैनी, हेमंत सैनी एवं प्राचार्य कुलदीप कुमार ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत कर स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय बलिदान को स्मरण किया। प्राचार्य ने छात्रों को देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

यदुवंशी स्कूल में छात्रों को देशभक्ति और अनुशासन का महत्व बताया

यदुवंशी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप कुमार व एएसडी सुरेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर एनसीसी की छात्राओं ने परेड का प्रदर्शन किया। लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप कुमार ने छात्रों को देशभक्ति और अनुशासन का महत्व बताया। स्कूल के प्रधानाचार्य सहित शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और छात्रों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। विद्यालय डीन मुकेश यादव व अध्यक्ष राव बहादुर सिंह ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी का पर्व

दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने डंबल की ताल पर तिरंगे झंडे को सलामी दी। नन्हे बच्चों ने श्री कृष्ण व राधा की वेशभूषा में कविता, भाषण, नाटक व गीतों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने दही-हांडी फोड़ने का भी लुत्फ उठाया। स्कूल की प्रधानाचार्या पिंकी तंवर ने बच्चों को वीरों के बलिदान व श्री कृष्ण के उपदेशों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के प्रति कर्तव्य तथा सम्मान को कभी नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। इस मौके पर सभी शिक्षक मौजूद थे।

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल में तिरंगे को सलामी देते प्राचार्य व कैडेट्स। फोटो: हरिभूमि

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस जोश व उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने ध्वजारोहण किया, वहीं कैडेट्स ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि 79वें स्वतंत्रता दिवस के असली मायने इस बात में हैं कि हर साल इस दिन हम अपनी आजादी को महसूस करें, शहीदों को नमन करें और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और मजबूत बनाने का संकल्प लें। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हमें आजादी एक बार मिली थी, लेकिन इसे बचाए रखना हमारी हर दिन की जिम्मेदारी है। देश की आजादी के खास दिन का इतिहास हमें उन अनगिनत वीरों के संघर्ष, बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई। प्राचार्य ने उत्कृष्ट कार्य के लिए अमित अंतिल कार्यालय अधीक्षक, अजय कुमार लैब असिस्टेंट, मोनू ड्राइवर, जयवीर सामान्य कर्मचारी व सज्जन सिंह वार्ड बॉय को प्रमाणपत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी मेजर जय सिंह राठौड़, उप प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी व समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व मनाया

विवेकानंद कॉलेज डहीना में स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कॉलेज प्राचार्य ने ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सम्पूर्ण वातावरण भारत माता की जय व वन्दे मातरम् के नारों से गूंज उठा। छात्रों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, कविताएं और समूह नृत्य प्रस्तुत कर स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय बलिदान का स्मरण किया।समारोह के उपरांत जन्माष्टमी पर्व की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। महाविद्यालय में मटकी फोड़ प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में रोमांच बनाया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्रीय कर्तव्यों और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। सैनी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए सभा के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

सैनी स्कूल में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

सैनी पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी ने अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों, तीनों संस्थाओं के प्रधानाचार्य, स्टाफ व अभिभावकों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इस अवसर पर सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी, उप-प्रधान राम सिंह सैनी, महासचिव एडवोकेट धर्मेन्द्र सैनी, सह-सचिव सुन्दर लाल सैनी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सैनी, कार्यकारी सदस्य उमेश सैनी, ओमप्रकाश सैनी, सतीश कुमार सैनी कॉलेजियम सदस्य अशोक सैनी, भगवान दास, राजेश कुमार, ओमप्रकाश सैनी, मनीष सैनी, लक्ष्मण दास सैनी, हरीराम सैनी, पूर्व कोषाध्यक्ष जगदीश सैनी, ओमप्रकाश सैनी व समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आजादी का महत्व समझाया

श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल हांसाका में स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने देशभक्ति से ओत- प्रोत गीतों ने बुजुर्गों व युवाओं में जोश भर दिया, वही दूसरी ओर कृष्ण कन्हैया लाल-मेरे बांके बिहारी लाल, मटकी फोरे नंदलाल गीतों से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि कृष्ण नाथ महाराज व स्कूल चेयरमैन ढुलीचंद यादव ने तिरंगा फहराकर बच्चों को आजादी का महत्व समझाते हुए आजादी के लिए कुर्बान वीरों को नमन किया। स्कूल संचालक सुरेश कुमार ने मेरी पहचान तिरंगा है जैसे गीत गाकर बच्चों को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया।

रेवाड़ी। श्री कृष्ण स्कूल में कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

रावमा विद्यालय सीहा में शहीद वीरांगना ने फहराया तिरंगा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में स्वतंत्रता दिवस पर गांव की शहीद वीरांगना ममता यादव ने ध्वजारोहण किया तथा चार दर्जन से ज्यादा भूतपूर्व सैनिकों ने समारोह को गरिमा प्रदान की। प्रभारी प्राचार्य हरीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में सरपंच सरिता यादव विशिष्ट अतिथि रही। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन समिति तथा युवा चेतना संगठन की सक्रिय भागीदारी रही। कला अध्यापिका लक्ष्मी यादव के निर्देशन में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भावविभोर कर दिया। स्टाफ सचिव दिनेश कुमार ने शाब्दिक अभिनंदन, पूर्व सचिव यशपाल आर्य ने वार्षिक रिपोर्ट तथा शिक्षक शक्ति सिंह व मंजू शर्मा ने समारोह का संचालन किया। इस अवसर पर युवा चेतना संगठन के प्रधान नरेश भारद्वाज, पूर्व सरपंच विक्रम पांडे, सूबेदार रामपाल चौहान, सूबेदार सुमेर सिंह सूबेदार मेजर दयानंद यादव, हवलदार ईश्वर सिंह, सूबेदार मातादीन, हवलदार रामनिवास, सूबेदार मेजर कंवरसिंह, नरेश यादव, नरबीर प्रधान, रघुवीर सिंह, छोटेलाल, ओमप्रकाश, राजेंद्र सिंह, रामअवतार, नाहरसिंह, जगदीश सिंह व प्रकाश सिंह भूतपूर्व सैनिक तथा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेवाड़ी। स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभागियों को सम्मानित करते भूतपूर्व सैनिक।

पंजाबी मार्केट एसोसिएशन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

पंजाबी मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं उद्योगपति राहुल यादव ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में रमेश चक्रवर्ती उपस्थित थे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन एसोसिएशन के महासचिव राजीव आहूजा ने किया। मुख्य अतिथि राहुल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि उन अमर शहीदों के बलिदान को याद करने का दिन है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। प्रधान सुरेंद्र वशिष्ठ ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एसोसिएशन के संरक्षक विनोद अरोड़ा, उपप्रधान लव खरबंदा, सचिव रवि कुकरेजा, सह सचिव दिनेश प्रजापत, दलीप कालड़ा, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, सह कोषाध्यक्ष हरीश आहूजा, लोकेश मेहंदीरता, हरीश मेंहदीरता, किशन खुराना, पंकज कालड़ा, संदीप आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब ने धूमधाम से मनाया आजादी का पर्व

रेवाड़ी। स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए लायंस क्लब के सदस्य।

रेवाड़ी। लायंस क्लब की ओर से मॉडल टाउन स्थित लायंस भवन में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। क्लब के प्रधान लायन ऋषि सिंहल ने राष्ट्रीयता का प्रतीक तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि आजादी हमे बड़े संघर्षों से मिली है हमे अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए। लक्षित अग्रवाल ने स्वतंत्रता दिवस पर भाषण दिया व घनश्याम शर्मा ने सुंदर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन वीडी शर्मा एडवोकेट, लायन रजनीकांत सैनी, लायन बृजलाल गोयल, लायन ओपी गुप्ता, लायन अनिल भार्गव, लायन संदीप गोयल, क्लब के सचिव लायन अभिषेक गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन दीपक अग्रवाल, लायन आलोक सिंहल, लायन रितेश भार्गव, लायन हेमंत सिंहल, लायन मोहित गोयल, लायन सचिन गुप्ता, लायन राकेश गर्ग, लायन विपिन भार्गव, लायन कुणाल शर्मा, लायनेस संतोष गुप्ता, लायनेस प्राची गुप्ता, लायनेस मोनिका सिंहल, योग परिवार मंच से डा. अनिल कुमार,नीरज गोयल,अशोक शर्मा,सुंदर लाल, सुरेश जाजोरिया, राजीव, मेघा गुप्ता, नीलम धींगड़ा, नेहा ग्रोवर, बंसीबाला व विजय गुप्ता उपस्थित थे।

रेवाड़ी। स्व. कन्हैयालाल पोसवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

गुर्जर समाज ने पूर्व गृहमंत्री पोसवाल को दी श्रद्धांजलि

रेवाड़ी। शनिवार को पोसवाल चौक पर हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री एवं राज्यसभा सांसद स्व. कन्हैयालाल पोसवाल को 104वे जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण यादव व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वंदना पोपली ने की। गुर्जर समाज के प्रधान चरण सिंह खटाना ने कन्हैयालाल पोसवाल के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। समिति के संयोजक कृष्ण तोंगड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजेश नंबरदार, रामसिंह सरपंच, निहाल नंबरदार, हनुमान संगवाड़ी, प्रेम सरपंच, राजपाल सरपंच, सुंदर कसाना, कप्तान दयाराम, बलबीर कसान फूसाराम, खुशीराम सरपंच, राजपाल फौजी, लीलाराम, प्रकाश रावत, लीलू, जिंदर, संदीप बेदी, रामसिंह पोसवाल, रामोतार चैयरमेन, डा. पप्पू शर्मा, धर्मवीर सरपंच, रवि पोसवाल, कैलाश प्रधान, दया कसाना, प्रताप कसाना, बनी पोसवाल, एडवोकेट त्रिलोक तोंगड़, विनोद प्रधान, जयकरण तोंगड़, विश्वदीप तंवर, एडवोकेट महिपाल, एडवोकेट अमृत, संदीप बेदी, राजेंद्र पटेल, डेविन तनेजा, गौरव, महिपाल छावड़ी, अंतराम तंवर आदि मौजूद रहे।

सरपंच ग्राम पंचायत भाड़ावास
रेवाड़ी, हरियाणा

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भाड़ावास में 18.08.2025 को दोपहर 12 बजे पंचायत घर पुराने सामान जैसे ईट, गेट, जंगले, अलमारी के गेट, गाटर आदि की नीलामी होनी है। नीलामी की शर्तें मौके पर ही बताई जाएगी।

हस्ता/- सुनील कुमार, सरपंच,
पंचायत भाड़ावास, जिला रेवाड़ी मो. : 9996325150

खबर संक्षेप

स्वतंत्रता सेनानियों के अमूल्य बलिदान को किया याद

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता सेनानियों के अमूल्य बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में स्टाफ सदस्य डा. यशपाल, पूनम यादव, रेखा गर्ग ने देशभक्ति कविता, गीत और भाषण की प्रस्तुति दी। छात्रा भावना, प्रेरणा, दिव्या, स्नेहा, चेतना व शिवांगी ने शास्त्रीय नृत्य, देशभक्ति गीत, भाषण, हरियाणावी नृत्य, गीत और देशभक्ति कविता पेश की। सह प्राध्यापक डा. सुनील कुमार के नेतृत्व में सभी स्टाफ सदस्यों और छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्लास्टिक के न्यूनतम प्रयोग करने की सामूहिक प्रतिज्ञा भी ली।

आर्म्स एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने गत वर्ष आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत वर्ष 2 अगस्त को कुतुबपुर निवासी एक युवक को देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने कुतुबपुर निवासी पुनीत पर हथियार उपलब्ध कराने का आरोप लगाया था। पुलिस ने अब आरोपी पुनीत को गिरफ्तार कर लिया। उसके कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

कुंड। रेलवे स्टेशन के समीप मालगाड़ी की चपेट में आने से मनेठी की एक महिला की मौत हो गई। जीआरपी के अनुसार मनेठी निवासी सावित्री देवी अपने घर से कुछ दूरी पर मंदिर में पक्षियों को दाना डालने के लिए निकली थी। रेलवे लाइन पार करते समय वह एक मालगाड़ी की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। महिला के पति की पहले ही मौत हो चुकी है।

रोडवेज बस की चपेट में आकर घायल

रेवाड़ी। उष्मापुर के निकट रोडवेज बस की चपेट में आकर एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उष्मापुर निवासी 36 वर्षीय नरेंद्र किसी काम से बाइक लेकर गुरावड़ा की ओर जा रहा था। गांव के बूस्टिंग के पास एक रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस की ईआरवी ने उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद रोडवेज चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

उद्योग एवं वन मंत्री ने किया स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण, बावल और कोसली सब डिविजन में भी हुए समारोह

भारत अब किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में सक्षम आतंकवाद के पनाहगारों पर करारा प्रहार: नरबीर सिंह

खास बातें

- राव नरबीर सिंह ने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखते हुए जीवन में आगे बढ़ने की सीख दी
- देश व प्रदेश के विकास की गौरव गाथा को आमजन के साथ साझा किया
- ऑपरेशन महादेव के माध्यम से हमारे सुरक्षाबलों ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को समाप्त करने का काम किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते उद्योग एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

उद्योग एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में चलाए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश में देशभक्ति का जज्बा पैदा करने का काम किया है। इस अभियान ने पूरे देश को तिरंगामय बना दिया है, जो राष्ट्र के लिए गौरव की बात है। राव नरबीर स्वतंत्रता दिवस पर अनाजमंडी में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपने संदेश में जहां देश की एकता व अखंडता को बनाए रखते हुए जीवन में आगे बढ़ने की सीख दी, वहीं देश व प्रदेश के विकास की गौरव गाथा को आमजन के साथ साझा किया। समारोह में युद्ध वीरांगनाओं व स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को सम्मानित किया गया। समारोह से पहले उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने बावल रोड स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के अमर बलिदानियों व वीर शहीदों की शहादत को सलाम किया। नरबीर ने कहा कि हमारे देश की अस्मिता पर जब भी दुश्मन ने चोट पहुंचाने की कोशिश की है, तो हमारे वीर सपूतों ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में 22 अप्रैल 2025 को जब पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा और हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने का कुंठित कदम उठाया तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी सेना के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देते हुए पाकिस्तान की सरजमीं पर जाकर आतंकवाद के 9 ठिकानों पर ध्वस्त करने का काम किया। इतना ही नहीं ऑपरेशन महादेव के माध्यम से हमारे सुरक्षाबलों ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को समाप्त करने का काम किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ यह प्रतिशोध नहीं था, यह आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश का एक संदेश था कि भारत अब किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में सक्षम है और आतंकवाद को पनाह देने वालों पर करारा प्रहार करने में भारत कभी पीछे नहीं है।

रेवाड़ी। समारोह में परेड का निरीक्षण करते उद्योग एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह तथा समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। समारोह में देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी, वीरांगनाओं का सम्मान करते राव नरबीर सिंह तथा समारोह में देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुति देते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

शहीदों के परिजनों को दिया जा रहा सम्मान

राव नरबीर सिंह ने कहा कि शहीदों के परिवारों के सम्मान में उनकी भलाई के लिए सरकार सहयोगी है। देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों के आश्रित को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी दी जा रही है। अक्टूबर 2014 से जून 2025 तक 410 शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी वीर सपूतों की धरा है और ऐसे में हरियाणा सरकार का रेवाड़ी में एक सैनिक संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में देशवासियों ने प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में क्रांतिकारी व्यवस्था परिवर्तन व अभूतपूर्व सफलताएं देखी हैं।

सरकार ने लिए कल्याणकारी फैसले

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच के चलते हर वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए कल्याणकारी फैसले सरकार ने लिए हैं। यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भगवान श्री रामलला के मंदिर का निर्माण हुआ जिससे करोड़ों भक्तों की आस्था को मजबूत करने का काम हुआ है। वहीं तीन तलाक को खत्म कर मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को न्याय व सम्मान दिलाया गया। अनुच्छेद 370 व 35ए हटाकर जम्मू कश्मीर को अखंड भारत का हिस्सा बनाया गया। मोदी सरकार में न केवल सांस्कृतिक व सैन्य शक्ति में वृद्धि हुई बल्कि आर्थिक शक्ति के रूप में भी भारत ने दुनिया में अपनी पहचान कायम की है। आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

डबल इंजन सरकार से होगा सपना पूरा

प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार हरियाणा को नई ऊंचाइयों की ओर लेकर जा रही है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। साल 2047 में जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा तब विकसित भारत का जो नक्शा उभर कर आएगा उसमें विकसित हरियाणा की अलग पहचान होगी। हरियाणा में बिना पर्ची-बिना खर्ची के रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

कर्मचारियों को सेवा की सुरक्षा प्रदान की

नरबीर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अनुबंध आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा प्रदान किया है। हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 5 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है और अब तक 2 लाख 13 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। आज हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद है। निवेशकों को 150 से अधिक सेवाएं हरियाणा सरकार ऑनलाइन प्रदान कर रही है और उन्हें सभी स्वीकृति 2 दिनों में देना सुनिश्चित किया गया है।

स्थापित होंगे दस नए आईएमटी

उद्योग मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। आईएमटी खरखौदा में मारुति सुजुकी का सबसे बड़ा प्लांट शुरू हो रहा है, जिससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। सरकार का प्रयास है कि हरियाणा को न केवल हरा भरा बनाया जाए बल्कि स्वच्छ व सुंदर बनाने का भी संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव के माध्यम से प्रदेश में वृक्षारोपण किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

समारोह में यह लोग रहे मौजूद

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल, सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन इंजी. कृष्ण कुमार सहित जिला प्रशासन की ओर से आईजी नाजनीन भसीन, डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र मीणा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंद्र सिंह वधवा, जज अशोक कुमार, एसीजेएम जोगेंद्री, एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम सुरेश कुमार, सीईओ जिला परिषद प्रदीप कुमार, डीएमसी ब्रह्म प्रकाश, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीपीसी राजेंद्र शर्मा, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीएसपी डा.रविंद्र व डीएसपी जोगेंद्र शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व अधिकारीगण मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में नजर आया राष्ट्रीय एकजुटता का समावेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामयी ढंग से संपन्न हुआ। समारोह में जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियों के माध्यम से समारोह में राष्ट्रीय एकजुटता का सार्थक समावेश नजर आया। चीफ गेस्ट नरबीर सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए 5 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की भी घोषणा की।

जिला प्रशासन की ओर से डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा ने समारोह के मुख्य अतिथि को राष्ट्रीय ध्वजारोहण व परेड निरीक्षण करने के चंद मिनटों बाद ही राष्ट्रीय ध्वजारोहण व परेड निरीक्षण का छाया चित्र प्रदान करते हुए उनका जिला में अभिनंदन किया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। बैंड की धुन पर पीटी-डंबल शो का प्रदर्शन किया गया। समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश के विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति से रूबरू कराया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में होली चाइल्ड स्कूल, राजकीय प्राथमिक पाठशाला कालाका, वीआईपी स्कूल, सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल, यूरो इंटरनेशनल स्कूल सहित पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुति दी।

रेवाड़ी। समारोह में सम्मानित करते हुए राव नरबीर सिंह। फोटो :हरिभूमि

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राव नरबीर सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। मुख्यातिथि ने जिला कोषाधिकारी विभाग से शक्ति सिंह, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नरवीर, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के चन्द्रेश कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के सरिता देवी, जसिका, विष्णु कुमार, नेहा, संध्या, समीर, राखी, खुशी, प्रिया, सुमन, आईशा, मानसी, पूजा, ईशिका, निकिता, अंशु, पायल, पूनम यादव, डीएचबीवीएन विभाग के पी.के चौहान, राजस्व विभाग के राजकुमार व ततीमा टीम जिला अग्निशमन विभाग के योगेश कुमार, उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त के नीरज गर्ग, लोक निर्माण विभाग के अनिल कुमार, मनोज कुमार, ललित गोयल को सम्मानित किया गया।

इन्हें भी चीफ गेस्ट ने किया सम्मानित

सीईओ डीआरडीए से अर्जुन लाल, यशपाल, एडीसी कार्यालय से रविन्द्र, आशुतोष भारद्वाज, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परमवीर, नगर परिषद से सुधीर, अजीत, लक्ष्मण, जिला परिषद से हेमन्त, सिंचाई विभाग उपेश, बाल संरक्षण से नितू सैनी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी से कुसुमलता, प्रीतम कुमारी, बीडीपीओ धारूहेड़ा से संदीप कुमार, खेल विभाग से ईशा यादव, ज्योति, सचिन, यशराज, ध्रुव त्यागी, विश्वजीत सांगवान, आर्यन यादव, तेजस्वनी सांगवान, विजेता यादव, शिवानी, शौर्य चक्र विजेता सूबेदार हनुमान राम सहित पुलिस विभाग के संगीता, नितिश कुमार, कर्ण सिंह, अमित, दिनेश, रजनेश, दिनेश, मनोज, पवन, नरबीर व सुरेश सहित व्यक्तिगत रूप में मनु देव, सानू, नंदनी, कप्तान वीर सिंह यादव, योगेश कुमार को सम्मानित किया।

कदमताल में महिला पुलिस रही प्रथम

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मार्च पास्ट की टकड़ियों ने परेड इंचार्ज जोगेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में बेहतरीन कदमताल करने पर विजेता टुकड़ी में प्रथम रही महिला पुलिस, द्वितीय एनसीसी सैनिक स्कूल व स्काउट जेएनवी नैचाना द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने सम्मानित किया।

पुलिसकर्मियों को भी किया गया सम्मानित

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिला पुलिस में उत्कृष्ट कार्य एवं अपराध पर अंकुश तथा अपराधियों पर नकेल डालने वाले पुलिस कर्मचारीयों को जिला एवं मंडल स्तर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने पर पीएसआई संगीता, पीएसआई नितिश कुमार, पीएसआई कर्ण सिंह, एएसआई अमित कुमार, एचसी दिनेश कुमार, सिपाही रजनेश रत्न, सिपाही दिनेश कुमार, सिपाही मनोज कुमार, सिपाही पवन कुमार, सिपाही नरबीर व एसपीओ सुरेश कुमार को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईजीपी नाजनीन भसीन, आईपीएस व एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने सम्मानित हुए सभी पुलिसकर्मियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

न्यूज डायरी

रोटरी क्लब के कैंप में 70 यूनिट रक्त एकत्रित

रेवाड़ी। रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन की ओर से बावल स्थित कंपनी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 70 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में पुष्पांजलि ब्लड बैंक की टीम ने रक्त एकत्रित किया। क्लब की अध्यक्ष नेहा शर्मा ने बताया कि पिछले एक महीने में यह तीसरा रक्तदान शिविर था और इस वर्ष 3000 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया जा चुका है। शिविर का शुभारंभ रोहित गुप्ता ग्लोबल हेड, रविंदर हकला प्लांट हेड, सुखपाल सिंह एचआर हेड, संदीप सिंह, डा. नवीन अदलखा, अनुराधा सैनी, राहुल जैन व प्रोजेक्ट चेयरमैन डा. डिंपल गुप्ता सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने किया। क्लब की ओर से सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। क्लब के वरिष्ठ सदस्य डा. नवीन अदलखा ने बताया कि क्लब द्वारा रविवार को रोटरी रसोई में मेगा रक्तदान का आयोजन किया जाएगा।

बच्चों ने कविता, नृत्य व भाषण की प्रस्तुतियां दी

रेवाड़ी। माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की ओर से आजाद नगर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि सूरत सिंह पूर्व सैनिक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान बुधराम पंवार ने की। कार्यक्रम में नारायण सिंह तंवर, काशीराम, आरएस सांभरिया, ईश्वर सिंह, रामचंद्र रंगा, रतन सिंह व अमर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान और साहस का स्मरण किया व राष्ट्रीय एकता पर पर विचार व्यक्त किए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कविता, नृत्य व भाषण की प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा चेल्सी, प्रियंका, तान्या, हर्षिता, समायरा, भारती, प्रतिभा, अनुज व देव ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में राकेश कुमार सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, रामपाल मेहरा पूर्व प्रधान एवं अधिवक्ता, डा. आशोक, डा. टीसी तंवर, डा. रणबीर सिंह, सतबीर चौहान, दिनेश कुमार बौध, प्रताप सिंह, अशोक चौधरी आदि मौजूद रहे।

जनशक्ति जागृति मंच ट्रस्ट ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

रेवाड़ी। जनशक्ति जागृति मंच ट्रस्ट की ओर से आस्था कुंज के पास स्थित कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्था पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण करके तिरंगे को सेल्यूट किया। इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष मेनका सोनी, मंजू शर्मा, मीनू शर्मा, स्वेता, एडवोकेट रविंद्र मेहरा, विजय सिंह सुठानी, प्रेम मेहरा, दीपक कुमार, मयंक वर्मा, प्रकाश वर्मा,अक्षत वशिष्ठ व कनक शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

ब्राह्मण सभा ने मनाया आजादी का जश्न

रेवाड़ी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ब्राह्मण सभा की ओर से जिला मुख्यालय ब्रह्मगढ़ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर प्रधान चंद्रशेखर गौतम ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर प्रधान गौतम ने कहा कि शहीदों के बलिदान से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके बलिदान को व्यर्थ न गंवाना चाहिए। देश व समाज के लिए अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान विष्णु दत्त शर्मा, दिलीप शास्त्री व पूर्व कार्यकारी प्रधान प्रेम कौशिक ने अपने विचार रखें। डा. श्याम बिहारी, सतीश मस्तान व भूपेंद्र भारद्वाज ने देशभक्ति गीत सुनाया। कार्यक्रम में सोमदत्त शर्मा, खुशहाल शर्मा, हेमन्त भारद्वाज, दीपक मुदगिल, जयकुमार कौशिक, राकेश वत्स, ओमप्रकाश शर्मा, महेश पत्सारिया, अनिल दत्त शर्मा, मधुसूदन शर्मा, राजेंद्र प्रसाद मुदगिल, सुशील स्वामी, कपीस शर्मा, सुरेश शर्मा, महेंद्र तिवाड़ी, राकेश गौड़, सुरेंद्र शर्मा, जितेंद्र तिवाडी, मनीष जोशी, नरेश स्वामी, महेश वशिष्ठ, विजय कौशिक, मनोज शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, उमेश भारद्वाज, दिशांत वशिष्ठ, ईशान वशिष्ठ, भागमल शर्मा, कविंद्र भारद्वाज, दिलीप तिवारी, राजेंद्र शर्मा, प्रदीप वशिष्ठ, सुरेश शर्मा, संजय शर्मा, संजीव वशिष्ट, सतीश गौड, मयंक भारद्वाज, ऋषि शर्मा, मोहनलाल तिवाड़ी, शैलेश शर्मा, सरोज भारद्वाज व दीपा भारद्वाज मौजूद रही।

राजनीति पूर्व मंत्री अभयसिंह यादव के बाद अभिमन्यु यादव भी मैदान में, राव नरबीर भी मौका मिलते ही साध रहे अप्रत्यक्ष निशाना

आरती सिंह को मिल रही तिहरी चुनौती, निपटने के लिए 'रावनीति' आएगी काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

दक्षिणी हरियाणा में अपने और अपने पिता के दम पर भाजपा को विधानसभा चुनावों में सफलता के दावे कर चुकी कैबिनेट मंत्री आरती राव को लगातार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी ही पार्टी के नेताओं के 'शब्दबाण' का सामना करना पड़ रहा है। यह सब पूर्व में उनके पिता राव इंद्रजीत सिंह के साथ भी हो चुका है, परंतु उन्होंने कभी पलटवार करते हुए सामने वाले को महत्व नहीं दिया। आरती को भी इसी 'रावनीति' के सहारे खुद को मजबूती से स्थापित करना होगा।

प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने में दक्षिणी हरियाणा के योगदान का दावा राव इंद्रजीत सिंह ने सीएम नायब सिंह सैनी के समक्ष उनके रेवाड़ी आगमन पर किया था। सीएम ने इसके बाद मंच से ही प्रदेश में किसी एक बिरादरी की बजाय छत्तीस बिरादरी के लोगों से सरकार बनने की बात कहते हुए राव के दावे को अप्रत्यक्ष रूप से खारिज कर दिया था। सीएम के कार्यक्रम के कुछ समय बाद चंडीगढ़ में राव का दक्षिणी हरियाणा के विधायकों को डिनर कराना राजनीति के प्याले में तूफान लाने का काम कर गया था। इसी बीच पिता की तर्ज पर आरती राव ने भी प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने में दक्षिणी हरियाणा की भूमिका का जिक्र किया, तो नांगल चौधरी के पूर्व विधायक अभयसिंह यादव ने आरती राव और उनके पिता पर सोशल मीडिया वार शुरू कर दिया था। राव आरती राव का तिहरे मोर्चे पर चल रहे विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कुछ मार्चों पर उन्होंने अपनी ही पार्टी के विरोधियों पर पलटवार करने का प्रयास भी किया है, लेकिन ऐसा उनके पिता राव इंद्रजीत सिंह की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा कभी नहीं रहा। राव ने अपने विरोधियों को कभी सीधा जवाब नहीं दिया। अब पिता-पुत्री को घेरने के लिए एक तरह से 'मनोहर नीति' अपना काम कर रही है, जिसके लिए आरती को भी 'रावनीति' अपनाकर विरोधियों का सामना करना होगा।

आरती राव।

नरबीर सिंह।

अभिमन्यु यादव।

अभयसिंह यादव।

अभिमन्यु ने अचानक सभी को चौंकाया

पूर्व सीएम मनोहरलाल और राव इंद्रजीत सिंह के बीच लगातार छत्तीस का आंकड़ा बना रहा है। गत विधानसभा चुनावों में मनोहरलाल के ओएसडी रहे अभिमन्यु यादव ने कोसली हलके से टिकट हासिल करने के प्रयास किए थे, परंतु राव इंद्रजीत सिंह की जिद और दावेदारी ने उनकी टिकट का रास्ता रोक दिया था। अभिमन्यु यादव ने सिविल अस्पताल रेवाड़ी की उपेक्षा और दुर्दशा के लिए आरती राव को जिम्मेदार बताकर सीएम के समक्ष आवाज उठाते हुए यह साबित कर दिया है कि वह आरती राव को एकतरफा 'बैटिंग' के लिए खुला छोड़ने को तैयार नहीं हैं। अभिमन्यु की अचानक सक्रियता को भले ही हलके में लिया जा रहा हो, परंतु वास्तव में इसके पीछे एक बड़ी राजनीतिक रणनीति से इनकार नहीं किया जा सकता।

नरबीर को सीधा जवाब में गुरेज नहीं

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह अपने बेबाक सुरों के लिए विख्यात हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में वह अपने दम पर भाजपा हाईकमान पर दबाव बनाकर टिकट हासिल करने में कामयाब रहे थे। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री के रूप में अब नरबीर ने भी अप्रत्यक्ष रूप से पिता-पुत्री पर हमला बोलते हुए प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनने के पीछे मुख्य कारण पूर्व की सरकार के विकासकार्यों को बताया है। नरबीर मानेसर नगर निगम के मेयर के चुनाव में बाजी हारने का बदला डिप्टी मेयर के चुनाव में जीत से ले चुके हैं। अभिमन्यु यादव व अभयसिंह की तरह नरबीर का झुकाव भी मनोहरलाल की ओर माना जा रहा है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 17 अगस्त 2025

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

लुढ़कते लोटे

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तक: उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना),
संपादक: कैलाश बाजपेयी, **मूल्य:** 245 रुपए,
प्रकाशक: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मकई यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद : मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करने का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

विशिष्ट पेड़

वीना गौतम

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

यूजफुल डिवाइस

संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

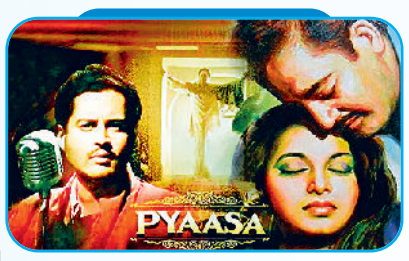

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *